vinetur

ब्रिटेन का कहना है कि प्रस्तावित UK-EU SPS समझौते के दायरे से बाहर रहेगी वाइन

स्पष्टीकरण से संकेत मिलता है कि इंग्लिश चैनल के आर-पार कारोबार करने वालों को वार्ता से वाइन नियमों में मौजूदा अंतर खत्म होने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए

बुधवार, 18 नवंबर 2026



ब्रिटिश सरकार ने मंगलवार, 17 नवंबर को संसद को बताया कि वाइन प्रस्तावित UK-EU स्वच्छता एवं पादप-स्वास्थ्य (SPS) समझौते के दायरे से बाहर रहेगी। इसका अर्थ है कि यह समझौता ब्रिटेन या यूरोपीय संघ को वाइन नियमों में मौजूदा अंतर वापस लेने या उनमें संशोधन करने के लिए बाध्य नहीं करेगा।

यह स्पष्टीकरण पर्यावरण, खाद्य एवं ग्रामीण मामलों के विभाग की ओर से जवाब देते हुए Stephen Morgan ने लिखित संसदीय उत्तर में दिया। वह कंजर्वेटिव सांसद Mike Wood के सवाल का जवाब दे रहे थे। Wood ने पूछा था कि क्या ब्रिटेन और EU के बीच होने वाले भावी SPS समझौते के तहत वाइन को लेकर मौजूदा नियामकीय अंतर को वापस लेना या बदलना होगा।

Morgan का जवाब स्पष्ट था। उन्होंने कहा, "वाइन प्रस्तावित UK-EU SPS समझौते के दायरे से बाहर है।" उन्होंने आगे कहा, "इसलिए समझौते के तहत वाइन नियमन में मौजूदा अंतर को वापस लेना या उसमें संशोधन करना आवश्यक नहीं होगा।"

इस जवाब से सीमा-पार कारोबार से जुड़ी कंपनियों का ध्यान खींचने वाले इस विषय पर सरकार का रुख और स्पष्ट हुआ है। Wood के सवाल में 28 अक्टूबर को वाइन नियमन पर एक अलग संसदीय प्रश्न के जवाब में सरकार की ओर से दिए गए पिछले उत्तर का संदर्भ था। अपने अनुवर्ती सवाल में उन्होंने विशेष रूप से पूछा कि क्या प्रस्तावित समझौता ब्रिटेन के EU ढांचे से बाहर आने के बाद वाइन नियमों में आए अंतर को प्रभावित करेगा।

जवाब से संकेत मिलता है कि कम से कम फिलहाल प्रस्तावित समझौते के तहत वाइन के साथ उन उत्पादों से अलग व्यवहार किया जा रहा है जो व्यापक रूप से स्वच्छता एवं पादप-स्वास्थ्य नियमों के दायरे में आते हैं। SPS व्यवस्थाएं आम तौर पर खाद्य सुरक्षा और पशु एवं पौधों के स्वास्थ्य की रक्षा से जुड़ी होती हैं। वाइन को समझौते के दायरे से बाहर बताकर सरकार ने संकेत दिया कि इस क्षेत्र में बातचीत का उद्देश्य वाइन नियमों को फिर से एकरूप करना नहीं है।

यह बात पेय उद्योग के लिए अहम है, क्योंकि इससे संकेत मिलता है कि उत्पादकों, आयातकों और निर्यातकों को केवल SPS वार्ता से UK और EU के वाइन नियमों में अलग-अलग स्थितियां खत्म होने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इंग्लिश चैनल के आर-पार वाइन बेचने वाली कंपनियों के लिए यह जवाब अधिक स्पष्ट संकेत देता है कि मौजूदा अंतर से जुड़ी अनुपालन संबंधी चुनौतियां बनी रहने की संभावना है, जब तक कि किसी अन्य नीतिगत या वार्ता प्रक्रिया के जरिए उनका समाधान न किया जाए।

सरकार की भाषा इस बात के लिए भी उल्लेखनीय थी कि उसमें क्या नहीं कहा गया। Morgan ने वाइन नियमन पर किसी नई नीति की घोषणा नहीं की और न ही यह संकेत दिया कि ब्रिटेन घरेलू कानून के जरिए मौजूदा अंतर पर फिर से विचार करने की योजना बना रहा है। उन्होंने EU के साथ वाइन-विशिष्ट नियमों पर किसी अलग बातचीत का भी उल्लेख नहीं किया। उनका जवाब केवल प्रस्तावित SPS समझौते के प्रभाव तक सीमित था।

यह मुद्दा इसलिए अहम है क्योंकि नियामकीय अंतर कारोबार की योजना, प्रमाणन, उत्पाद मंजूरी और बाजार तक पहुंच को प्रभावित कर सकते हैं। व्यापक UK-EU समझौते से क्या हासिल हो सकता है और क्या नहीं, इस बारे में अपेक्षाओं को सीमित करने वाला संसद में दिया गया एक छोटा-सा जवाब भी महत्वपूर्ण हो सकता है। इस मामले में सरकार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि SPS समझौता वाइन पर मौजूदा स्थिति को बदलने का माध्यम नहीं होगा।

यह संसदीय जवाब हाउस ऑफ कॉमन्स की लिखित प्रश्न प्रणाली के जरिए दिया गया। इस व्यवस्था के तहत सांसद मंत्रियों से नीतिगत मामलों पर विशिष्ट स्पष्टीकरण आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए कह सकते हैं। Wood ने पूछा था कि क्या वाइन संबंधी अंतर को "वापस लेना" या "संशोधित करना" होगा। Morgan ने कहा कि दोनों में से कुछ भी आवश्यक नहीं होगा, क्योंकि प्रस्तावित समझौते में वाइन शामिल नहीं है।

इस संवाद में सरकार ने इस अपवाद की व्यावहारिक सीमाओं या इस बारे में आगे कोई जानकारी नहीं दी कि वाइन से जुड़े कुछ नियामकीय मामलों पर कहीं और विचार किया जा सकता है या नहीं। उसने यह भी नहीं बताया कि बातचीत में इस अपवाद की मांग किसी एक पक्ष ने की थी या दोनों ने इसे स्वीकार किया था। लिखित जवाब केवल इस बुनियादी बात पर केंद्रित रहा कि प्रस्तावित SPS समझौता वाइन पर लागू नहीं होगा और मौजूदा अंतर यथावत रहेगा।